

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 13 सितम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग विभाग के आयोजनागत पक्ष के उत्तरांचल हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता योजना में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 1737/उ.नि./बजट-08(06)/2007-08 दिनांक: 21 अगस्त, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग विभाग के 00-आयोजनागत पक्ष के 07-उत्तरांचल हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता में रू० 50,00,000/- (रू० पचास लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु इस शर्त के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि उक्त धनराशि का कोषागार से आहरण शासन में विगत वर्ष का उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं मदवार व्यय विवरण प्रस्तुत किये जाने के बाद शासन की स्वीकृति से ही धनराशि का आहरण किया जायेगा और व्यय परिषद के स्थापित नियमों एवं प्रक्रियाओं का अनुपालन करते हुए ही किया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाआवश्यकता किस्तों में ही किया जायेगा।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि व्यय उन्हीं मदों में किया जाये जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आशय किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

3- उक्त धनराशि का आहरण करके उत्तरांचल हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के नाम से खुले पी०एल०ए०/बैंक खाते में जमा किया जायेगा तथा इससे अर्जित रामस्त ब्याज की धनराशि को वित्त विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार राजकोष में

जमा किया जायेगा। बैंक में धनराशि के आहरण की सूचना समय-समय पर शासन को भी उपलब्ध करायी जायेगी।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि आहरित किये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि इस मद में पूर्व में स्वीकृत सम्पूर्ण धनराशि का पूर्ण उपयोग कर लिया गया हो। पूर्व स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही स्वीकृत की जा रही धनराशि व्यय की जायेगी।

5- उक्त मद में व्यय वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश में इंगित अनुपात में आने वाले केवल अपने अधिष्ठान के कार्मिकों को शासन द्वारा अनुमोदित दरों पर ही दिया जायेगा। शासनादेश की शर्तों का अनुपालन न करने का समस्त दायित्व विभागाध्यक्ष एवं संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी का ही माना जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 07-उत्तरांचल हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 368/XXVI(2)/2007 दिनांक: 05 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 4653(1)/VII-2/100-उद्योग/2006, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० हेमलता ढोंडियाल)
अपर सचिव।